Fourteenth Loksabha

Session : 5
Date : 08-08-2005

Participants : Shukla Smt. Karuna

>

Title : Need to ban fake advertisements in newspapers inviting application for employment, with a view to safeguard the interest of unemployed persons.

श्रीमती करुणा शुक्ला (जांजगीर) : अध्यक्ष महोदय, देश में पहले से ही इतनी बेरोजगारी है। इस बेरोजगारी में बेरोजगार युवक और युवतियों के साथ हो रही ठगी से बेरोजगार युवक और युवतियां काफी परेशान हैं। इस देश में रोजगार देने हेतु फर्जी प्राइवेट कम्पनियों के नाम से अखबारों में विज्ञापन छपवाकर बेरोजगार युवक और युवतियों को लूटा जा रहा है। कई कम्पनियां तो अपने आपको शासकीय उपक्रम बताकर लूट रही हैं। बेरोजगार युवक और युवतियां विज्ञापन के माध्यम से आवेदन पत्र एवं बैंक ड्राफ्ट जमा करते हैं। फिर वे दलालों के चक्कर में नौकरी हेतु हजारो, लाखों रूपये दे बैठते हैं। फिर कुछ दिनों बाद पता चलता है ऐसी कोई कम्पनी नहीं है या रातों रात वह दलाल गायब हो जाते हैं। इसलिए ऐसे फर्जी विज्ञापनों पर सरकार रोक लगाये। विज्ञापन के प्रसारित होने के पूर्व उसकी छानबीन कर एवं शासकीय स्वीकृति लेकर छापा जाये ताकि बेरोजगार युवक लूटे न जा सकें। क्योंकि ऐसी ठगी की घटनायें कइ सालों से होती चली आ रही हैं। ऐसे फर्जी विज्ञापन पर रोक लगाना चाहिये।